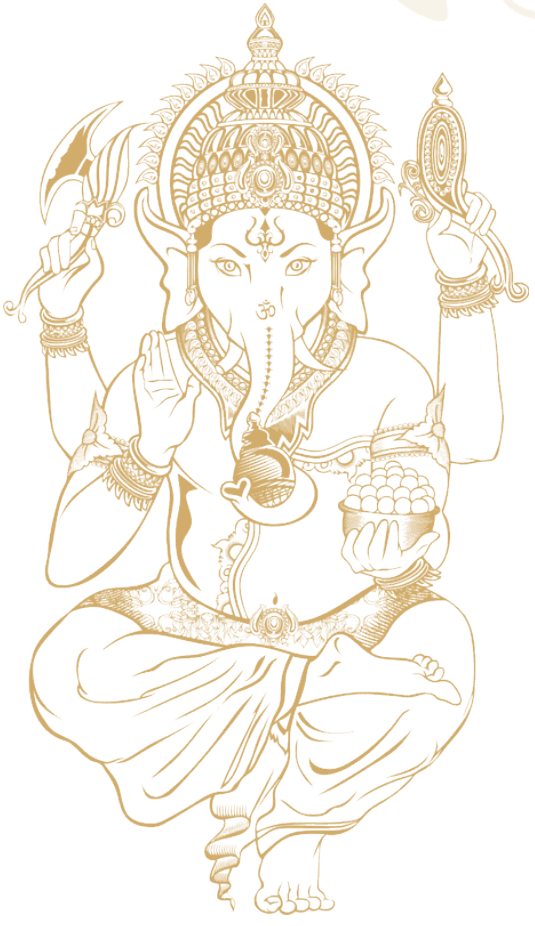

Manish Paliwal

26 Dec 1980

07:15 AM

Tundla

Model: web-freekundliweb

Order No: 120876003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/12/1980**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	00:25:04 घटी
स्थान	**Tundla**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:13:00 उत्तर
रेखांश	78:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:57:56 घंटे
वेलान्तर	-00:00:38 घंटे
साम्पातिक काल	13:16:48 घंटे
सूर्योदय	07:04:58 घंटे
सूर्यास्त	17:30:33 घंटे
दिनमान	10:25:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	10:51:35 धनु
लग्न के अंश	12:17:03 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:17:03	340:49:08	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			धनु	10:51:35	01:01:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	04:56:24	12:41:52	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
मंगल			मक	02:36:15	00:46:53	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	धनु	07:47:30	01:34:50	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			कन्या	15:26:20	00:05:21	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	16:08:55	01:14:53	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि			कन्या	15:41:46	00:02:31	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु			कर्क	17:47:30	00:01:34	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			मक	17:47:30	00:01:34	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	04:31:04	00:03:11	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
नेप			वृश्चि	29:14:46	00:02:14	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो			तुला	00:27:42	00:01:07	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			कन्या	27:11:58	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:17

लग्न-चलित

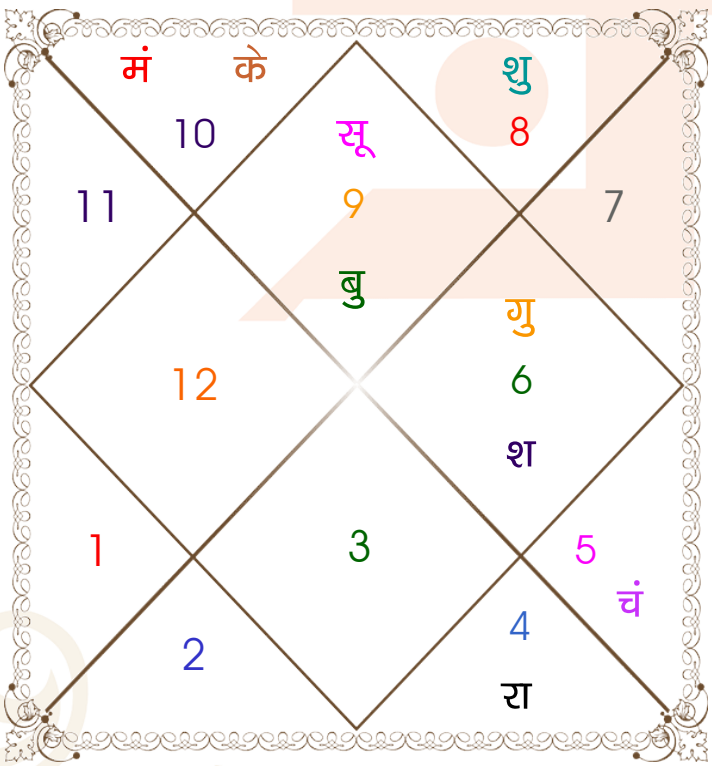

चन्द्र कुंडली

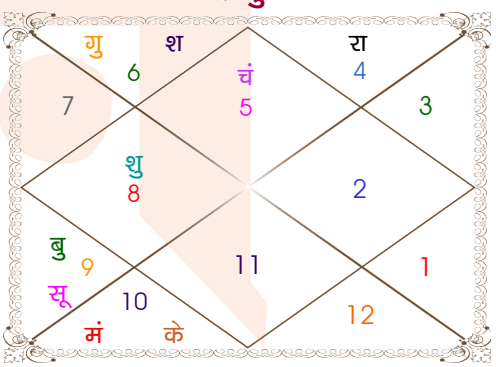

नवमांश कुंडली

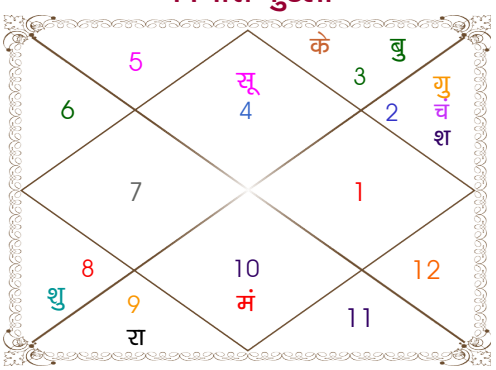

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 4 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/12/1980		23/05/1985		23/05/2005		24/05/2011		23/05/2021	
23/05/1985		23/05/2005		24/05/2011		23/05/2021		23/05/2028	
	00/00/0000	शुक्र	22/09/1988	सूर्य	10/09/2005	चंद्र	23/03/2012	मंगल	19/10/2021
	00/00/0000	सूर्य	22/09/1989	चंद्र	11/03/2006	मंगल	22/10/2012	राहु	07/11/2022
	00/00/0000	चंद्र	24/05/1991	मंगल	17/07/2006	राहु	23/04/2014	गुरु	14/10/2023
	26/12/1980	मंगल	23/07/1992	राहु	11/06/2007	गुरु	23/08/2015	शनि	22/11/2024
मंगल	23/04/1981	राहु	24/07/1995	गुरु	29/03/2008	शनि	23/03/2017	बुध	19/11/2025
राहु	11/05/1982	गुरु	24/03/1998	शनि	11/03/2009	बुध	23/08/2018	केतु	17/04/2026
गुरु	17/04/1983	शनि	23/05/2001	बुध	16/01/2010	केतु	24/03/2019	शुक्र	17/06/2027
शनि	26/05/1984	बुध	23/03/2004	केतु	24/05/2010	शुक्र	22/11/2020	सूर्य	23/10/2027
बुध	23/05/1985	केतु	23/05/2005	शुक्र	24/05/2011	सूर्य	23/05/2021	चंद्र	23/05/2028

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/05/2028		24/05/2046		24/05/2062		23/05/2081		24/05/2098	
24/05/2046		24/05/2062		23/05/2081		24/05/2098		00/00/0000	
राहु	03/02/2031	गुरु	11/07/2048	शनि	26/05/2065	बुध	20/10/2083	केतु	20/10/2098
गुरु	29/06/2033	शनि	22/01/2051	बुध	03/02/2068	केतु	16/10/2084	शुक्र	20/12/2099
शनि	05/05/2036	बुध	29/04/2053	केतु	14/03/2069	शुक्र	17/08/2087	सूर्य	27/04/2100
बुध	22/11/2038	केतु	05/04/2054	शुक्र	14/05/2072	सूर्य	22/06/2088	चंद्र	26/11/2100
केतु	11/12/2039	शुक्र	04/12/2056	सूर्य	26/04/2073	चंद्र	22/11/2089	मंगल	27/12/2100
शुक्र	10/12/2042	सूर्य	22/09/2057	चंद्र	25/11/2074	मंगल	19/11/2090		00/00/0000
सूर्य	04/11/2043	चंद्र	22/01/2059	मंगल	04/01/2076	राहु	08/06/2093		00/00/0000
चंद्र	05/05/2045	मंगल	29/12/2059	राहु	10/11/2078	गुरु	13/09/2095		00/00/0000
मंगल	24/05/2046	राहु	24/05/2062	गुरु	23/05/2081	शनि	24/05/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 5 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।